पाठ योजना

विषय :– अर्थशास्त्र **दिनांक :–**

उपविषय :– भारतीय कृषि की समस्याएँ **कक्षा :– 11वीं**

अवधि :– 40 मिनट

1. सीखने के परिणाम :–

- शिक्षार्थी भारतीय अर्थव्यवस्था से परिचित होंगे।
- शिक्षार्थी भारतीय कृषि क्षेत्र की समस्याओं से अवगत होंगे।
- शिक्षार्थी भारतीय कृषि क्षेत्र की समस्याओं का अपने शब्दों में विश्लेषण करेंगें।
- शिक्षार्थी भारतीय कृषि की समस्याओं का वर्तमान स्थिति के साथ सहसंबद्ध करेंगे।

2. सीखने के उद्देश्य :–

संज्ञानात्मक पक्ष :–

ज्ञान :–

- छात्र भारतीय कृषि की समस्याओं का प्रत्यास्मरण करने में सक्षम होंगें।
- छात्र भारतीय कृषि की समस्याओं के कारणों के बारे में जानकारी प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

बोध :–

- छात्र कृषि संबंधी समस्याओं का वर्णन करने में सक्षम होंगे।
- भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि समस्याओं के कारणों की पहचान करने में सक्षम होंगे।

ज्ञान का प्रयोग :–

- छात्र भारतीय कृषि की समस्याओं तथा उनके उपचारों का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
- कृषि समस्याओं को तथा उनके उपायों को अपने शब्दों में लिख सकेंगे।

भावनात्मक पक्ष :–

अभिरूचि :–

- छात्र भारतीय कृषि की समस्याओं के अध्ययन में रूचि लेने में सक्षम होंगें।
- छात्र कृषि समस्याओं के समाधानों में अपनी जिज्ञासा दिखाएगें।

अभिवृति :–

- छात्र कृषि समस्याओं के समाधानों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखने में सक्षम होंगे।

कौशलात्मक पक्ष

कौशल :–

- छात्र चार्ट व मॉडल के द्वारा भारतीय कृषि समस्याओं को दर्शा सकेंगे।

3. सीखने के संसाधन :–

- NCERT पाठ्य पुस्तक
- डिजिटल बोर्ड, कलम सूचक
- इंटरनेट
- चार्ट, मॉडल, आरेख

4. शिक्षण विधियाँ :–

प्रश्न–उत्तर विधि, प्रदर्शन विधि, परस्पर क्रिया विधि, दृष्टान्त विधि।

5. पूर्वज्ञान अनुमान :–

छात्र कृषि क्षेत्र से संबंधित सामान्य जानकारी रखते हैं।

6. पूर्वज्ञान परीक्षण :–

क्रम संख्या	शिक्षक गतिविधियाँ	छात्र प्रतिक्रियाएँ
प्र0 – 1	भारत की अधिकांश जनसंख्या कहाँ रहती है ?	ग्रामीण क्षेत्रों में
प्र0 – 2	गाँव में रहने वाले लोगों का मुख्य व्यवसाय क्या है ?	कृषि
प्र0 – 3	भारतीय कृषि क्षेत्र की मूल समस्याएँ क्या हैं ?	समस्यागत प्रश्न

7. उद्देश्य कथन :–

आज हम भारतीय कृषि की समस्याओं के बारे में विस्तार से चर्चा करेंगे।

8. पस्तुतीकरण :–

शिक्षण बिन्दु	शिक्षक गतिविधियाँ	छात्र गतिविधियाँ	बोर्ड कार्य
कृषि समस्याएँ अर्थ **भारतीय कृषि की समस्याएँ**	किसानों द्वारा समय–समय पर दर्ज किए गए विरोध से यह आवश्यक हो गया है कि कृषि से जुडी लगभग सभी समस्याओं का सही से विश्लेषण किया जाए।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।	
प्राकृतिक आपदाएँ	भारत देश में कृषि का उत्पादन मुख्य रूप से वर्षा तथा अन्य प्राकृतिक तत्वों जैसे–बाढ, सूखा, तूफान आदि पर निर्भर करता है। मौसम का असमय परिवर्तन फसलों पर बुरा असर डालता है।		
निम्न उत्पादकता व गुणवत्ता	यह भारतीय कृषि की मुख्य समस्या है। अन्य विकसित देशों की तुलना में भारत में फसलों की उत्पादकता बहुत कम है इसके साथ ही साथ उत्पादन की गुणवत्ता में भी कमी है।		
सिंचाई के साधनों का अभाव	भारतीय कृषि आज भी वर्षा पर निर्भर करती है। वर्षा के न होने का अर्थ है फसलों का न होना। इसका प्रमुख कारण है सिंचाई के स्थाई साधनों का अभाव। (नहरे, कुएं, ट्यूबवैल)		
वित्त की समस्या	भारतीय कृषि की अन्य बड़ी समस्या कृषि क्रियाओं के लिए वित्त का अभाव है। अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किसानों को भू–स्वामियों व महाजनों से ऊँची ब्याज दरों पर ऋण लेना पड़ता है।	छात्र उत्सुकतापूर्वक चित्रों के माध्यम से कृषि समस्याओं की जानकारी ले रहें है।	

परंपरागत विधियाँ	भारतीय किसान अपने परंपरावादी दृष्टिकोण तथा दरिद्रता के कारण आज भी पुरानी और अकुशल विधियों का ही प्रयोग कर रहे हैं जिससे उत्पादन में वृद्धि नहीं हो पाती।		
खेतों का लघु आकार	भारत के खेत न केवल छोटे है अपितु बिखरे हुए भी हैं। परिणामस्वरूप आधुनिक कृषि उपकरणों का प्रयोग नहीं हो पाता और श्रम और पूंजी के साथ समय का भी अपव्यय होता है।		
कृषि योग्य भूमि का अभाव	लगातार बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण एक बड़ी आबादी के पास बहुत कम मात्रा में कृषि योग्य भूमि उपलब्ध है। इसके परिणामस्वरूप कृषि किसानों के लिए लाभ कमाने का माध्यम न होकर महज निर्वाह का साधन बनकर रह गई है।		
मूल्यांकन	प्र0 1 कृषि समस्याओं के उत्पन्न करने वाले प्राकृतिक कारण कौन–से है ? प्र0 2 वित्त की समस्या से आप क्या समझते हैं ? प्र0 3 सिंचाई के स्थाई साधनों से आप क्या समझते हैं ?	शिक्षार्थी आपस में अन्तः क्रिया करके पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हैं।	

9. पुनरावृति :–

प्यारे बच्चों तो इस प्रकार हमें कृषि से जुडी हुई सभी समस्याओं – प्राकृतिक तथा संस्थागत समस्याओं का ज्ञान हो गया है। प्राकृतिक समस्याओं में हम बाढ़, भूकम्प, सूखा, तूफान, भूमि कटाव आदि को शामिल करते है तथा संस्थागत समस्याओं में परम्परागत कृषि विधियाँ, सिंचाई के पुराने तरीके, जोतों का छोटा आकार, बिखरी हुई जोतें आदि को शामिल किया जाता है।

10. गृहकार्य :–

प्र0 1 निम्नलिखित में से कौन सा भारत की कृषि के पिछडेपन का कारण नहीं है ?
क) खेत का छोटा आकार
ख) पुराने कृषि यंत्र
ग) व्यापारिक खेती
घ) सिंचाई का अभाव

प्र0 2 भूमि का वह टुकडा जिस पर खेती की जाती है, कहलाता है –
क) निर्वाह खेती
ख) जोत
ग) चकबंदी
घ) इनमें से कोई नहीं

प्र0 3 भूमि की उच्च उत्पादकता भारतीय कृषि की मुख्य विशेषता है। (सत्य/असत्य)

प्र0 4 भारतीय कृषि वर्षा पर अत्यधिक निर्भर है। (सत्य/असत्य)

प्र0 5 भारत में खेती की प्रकृति अधिक व्यापारिक है। (सत्य/असत्य)

नोट :– छात्र पढ़ाए गए विषय से संबंधित परिभाषात्मक शब्दों की सूची बनाएं।